subject - Hindi. **Lesson -2 मेहनत की कमाई** **class – 5th**

पाठ्य पुस्तक के प्रश्नोत्तर

उच्चारण के लिए

व्यापार, गर्दन, क्रोध, दर्द, भयंकर, निर्लज्ज, मिन्नतें, विवश।
नोट—छात्र स्वयं उच्चारण करें।

सोचें और बताएँ

1. पिता ने बेटे को बुलाकर क्या कहा?
उत्तर—पिता ने बेटे को बुलाकर कुछ कमाकर लाने के लिए कहा।

2. बालक सरलता से एक रुपया कुएँ में क्यों फेंक देता था?
उत्तर—बालक सरलता से एक रुपया कुएँ में इसलिए फेंक देता था क्योंकि वह उसकी कमाई का नहीं था।

3. बालक ने अंतिम दिन चवन्नी कुएँ में क्यों नहीं फेंकी?
उत्तर—बालक ने अंतिम दिन चवन्नी कुएँ में इसलिए नहीं फेंकी क्योंकि वह उसकी कमाई की थी। उसे कमाने के लिए उसने कठोर परिश्रम किया था।

लिखें

1. रिक्त स्थान भरें
(बुखार, दुखने, माँ, रोने, बेटी)
(क) बेटा.........माँ.........के पास जाकर.........रोने.........लगा।
(ख) पिता ने पत्नी और.........बेटी.........को बाहर भेज दिया।
(ग) लड़के को.........बुखार.........आ गया।
(घ) मेरी गर्दन, कमर और पैर.........दुखने.........लगे हैं।
उत्तर—(क) माँ, रोने (ख) बेटी (ग) बुखार (घ) दुखने

बालक अंतिम दिन मजदूरी करने पर विवश क्यों हुआ?
उत्तर—बालक अंतिम दिन मजदूरी करने पर विवश इसलिए हुआ क्योंकि उसके पिता ने उसकी माँ और बे
घर से बाहर भेज दिया था। उसकी सुध लेने वाला, पैसा देने वाला कोई भी नहीं था।

3. बालक ने चार आने किस प्रकार कमाए?

उत्तर–बालक ने एक सेठ का सामान उसके घर पहुँचाकर चार आने कमाए।

4. "बेटा दिन भर सुस्त बैठा रहा। उसकी आँखों से आँसू बहते रहे।" बेटा उदास क्यों बैठा था?

उत्तर–बेटा उदास इसलिए बैठा था क्योंकि घर में उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं था और पिता ने उसे चेतावनी दी थी कि आज कुछ कमाकर नहीं लाया तो रात को भोजन नहीं मिलेगा।

5. "सेठ की सूझबूझ ने बालक का जीवन बदल दिया।" कैसे? समझाइए।

उत्तर–सेठ का बेटा आलसी, लापरवाह और निर्लज्ज था । वह अपने बेटे को परिश्रमी बनाना चाहता था। अत: उसने बेटे को कमाकर लाने के लिए कहा । लड़के ने पहले तो अपनी माँ से फिर बहिन से एक रुपया माँगकर दिया, किंतु सेठ ने माँ-बेटी को बाहर भेज दिया । अत: विवश होकर वह बाजार में काम खोजने गया तब एक सेठ ने उसे संदूक उठाकर घर पहुँचाने का काम दिया और उसने परिश्रम करके चार आने कमाए। इस घटना से वह परिश्रम का महत्व जान गया। इस तरह सेठ की सूझबूझ ने बालक का जीवन बदल दिया।

6. अनुभवी पिता ने पत्नी और बेटी को बाहर क्यों भेजा होगा? बताओ।

उत्तर–अनुभवी पिता ने अनुमान लगा लिया होगा कि बेटा अपनी माँ और बहिन से पैसे माँगकर मुझे दे देता है। सेठ अपने बेटे को परिश्रम का महत्त्व सिखाना चाहता था। इसलिए उसने अपनी पत्नी और बेटी को बाहर भेज दिया।

7. बेटे की गर्दन, कमर और पैर क्यों दुखने लगे थे?

उत्तर–सेठ के पुत्र ने पहले कभी परिश्रम नहीं किया था। भारी संदूक को कंधे पर रखकर पैदल दूर तक चलना, इतना कठिन परिश्रम जीवन में पहली बार किया था, इसलिए उसकी गर्दन, कमर और पैर दुखने लगे थे।